

मुख्यमंत्री ने कथिा तीन दविसीय तातापानी महोत्सव का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

14 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मकर संक्रांति के अवसर पर बलरामपुर ज़िले के ऐतिहासिक तीन दविसीय तातापानी महोत्सव का शुभारंभ कथिा ।

प्रमुख बदि

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 976 करोड़ 47 लाख के वकिसा कार्यों का शलान्यास व लोकार्पण कथिा । इनमें रामानुजगंज वधिनसभा क्षेत्र में 284 वकिसा कार्यों का शलान्यास तथा 446 वकिसा कार्यों का लोकार्पण, सामरी वधिनसभा क्षेत्र में 777 वकिसा कार्यों का शलान्यास तथा 16 वकिसा कार्यों का लोकार्पण एवं प्रतापपुर वधिनसभा क्षेत्र में 46 वकिसा कार्यों का शलान्यास व 138 वकिसा कार्यों का लोकार्पण शामिल है ।
- इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान कथिा गए 20 घोषणाओं तथा 03 नरिदेशों का शलान्यास एवं सामरी वधिनसभा क्षेत्र में वदियुत वभिाग के दो कार्यों का लोकार्पण कथिा ।
- महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सामूहिक कन्या वविाह योजनांतरगत 501 जोड़ों के वविाह समारोह में सम्मलिति हुए तथा नव दंपतियों को आशीर्वाद दथिा ।
- धार्मिक मान्यताओं व भूमगित गर्म जल स्रोत के नाम से प्रसदिध तातापानी में प्रत्येक वर्ष की भाँति मकर संक्रांति परव पर वृहद् मेला लगता है । लोगों की श्रद्धा व आस्था का सम्मान करते हुए प्रतविरष ज़िला प्रशासन के द्वारा तीन दविसीय तातापानी महोत्सव का आयोजन कथिा जाता है ।
- उल्लेखनीय है क् अंबिकापुर-रामानुजगंज नेशनल हाईवे पर ज़िला मुख्यालय बलरामपुर से 12 कलिोमीटर दूर तातापानी स्थिति है । यहाँ 8 से 10 प्राकृतिक जल के गर्म कुंड हैं । इसके अलावा यहाँ एक वशाल शवि जी की प्रतमिा है । इसे ज़िला प्रशासन द्वारा बनवाया गया है ।
- स्थानीय भाषा में ताता का अरथ गर्म होता है । इसलथिा इस जगह का नाम तातापानी पड़ गया । यहाँ स्थिति गर्म जलकुंड से नकिलने वाला पानी इतना गर्म होता है क् चिावल, अंडे और आलू तक उबाल सकते हैं ।
- वैज्ञानिकों का मानना है क् इस क्षेत्र में सल्फर की मात्रा अधकि है । इसी वजह से यहाँ से नकिलने वाला पानी गर्म होता है । ऐसी मान्यता है क् इनि जल कुंडों में स्नान करने से अनेक चर्म रोग ठीक हो जाते हैं ।
- तातापानी में मकर संक्रांति के अवसर पर पछिले 50 से अधकि वर्षों से हर वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर मेले का आयोजन कथिा जाता रहा है ।
- बलरामपुर ज़िले के अस्ततिव में आने के बाद प्रशासन ने तातापानी मेला को महोत्सव का स्वरूप दथिा है । वर्षों पुराने तातापानी के मूल स्वरूप को बरकरार रखते हुए कई फीट ऊँची शवि जी की प्रतमिा स्थापति की गई है । इसी के ठीक नीचे 12 ज्योतरिलिगों का स्वरूप प्रदर्शति कथिा गया है ।